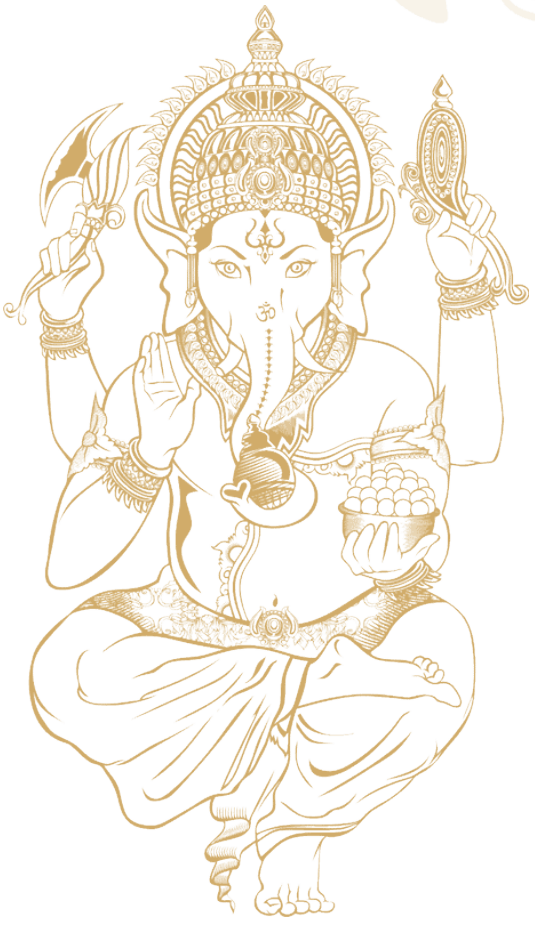

Mr.Viru

Ms.Priya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121230502

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/11/1997	जन्म तिथि	12/11/2001
गुरुवार	दिन	सोमवार
घंटे 13:25:00	जन्म समय	20:30:00 घंटे
घटी 16:18:47	जन्म समय(घटी)	34:31:01 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:53:29	सूर्योदय	06:41:35
17:24:00	सूर्यास्त	17:28:53
23:49:34	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:40

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 14वर्ष 4मा 28दि	25:07:36	कुंभ	लग्न	मिथु	13:06:08	चन्द्र 1वर्ष 6मा 16दि
गुरु	11:16:43	वृश्चि	सूर्य	तुला	26:24:52	राहु
25/04/2012	09:19:33	तुला	चंद्र	कन्या	21:16:17	31/05/2010
25/04/2028	19:55:51	धनु	मंगल	मक	17:11:54	30/05/2028
गुरु 14/06/2014	02:43:51	धनु	बुध	तुला	13:36:25	राहु 10/02/2013
शनि 25/12/2016	22:10:16	मक	गुरु व	मिथु	21:38:51	गुरु 07/07/2015
बुध 02/04/2019	26:18:24	धनु	शुक्र	तुला	11:12:44	शनि 13/05/2018
केतु 08/03/2020	20:02:12	मीन व	शनि व	वृष	19:15:09	बुध 29/11/2020
शुक्र 07/11/2022	22:41:25	सिंह व	राहु व	मिथु	03:50:46	केतु 18/12/2021
सूर्य 26/08/2023	22:41:25	कुंभ व	केतु व	धनु	03:50:46	शुक्र 17/12/2024
चन्द्र 25/12/2024	11:42:43	मक	हर्ष	मक	27:06:00	सूर्य 11/11/2025
मंगल 01/12/2025	04:00:49	मक	नेप	मक	12:17:53	चन्द्र 13/05/2027
राहु 25/04/2028	11:37:48	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	20:18:06	मंगल 30/05/2028

लग्न-चलित

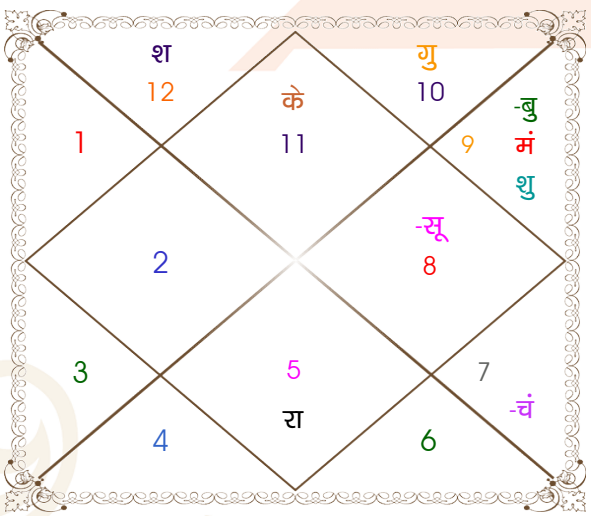

लग्न-चलित

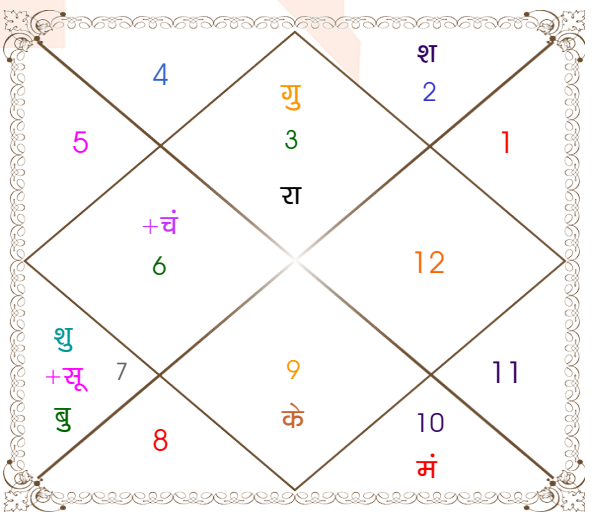

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्टपतन का वर्ग मृग है तथा डेण्ट्पलं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्टपतन और डेण्ट्पलं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्टपतन मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

डेण्ट्पलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डेण्ट्पलं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्टपतन कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष

कट जाता है।

डतण्टपतन तथा डेण्त्तपलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।